हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 166 देहरादून, बुधवार, 21 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

धामी कैबिनेट में हुए धड़ाधड़ फैसले
हर विभाग का प्रस्ताव महत्वपूर्ण 3

शिक्षक युग दृष्टा ऋषियों के समान : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पेस्टल वीड स्कूल में प्रिंसिपल्स प्रोग्रेसिव स्कूल्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित International Conference of Principal & Teachers कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों की समाज के निर्माण में अहम भूमिका होती है। माता-पिता के बाद शिक्षकों पर बच्चों के भविष्य को बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। शिक्षक युग दृष्टा ऋषियों के समान हैं, जो समाज को प्रबुद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिरीक्षण द्वारा स्वयं को जानने और समझने योग्य बनाना रहा है। विद्यार्थी के लिए आत्म साक्षात्कार अत्यंत आवश्यक है। तभी प्रतिभा का सदुपयोग हो सकता है। उन्होंने कहा कि पीपीएसए द्वारा शिक्षार्थियों की प्रतिभा को उभारने के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। पी.पी.एस.ए. प्रौद्योगिकी, कौशल और स्कूली पाठ्यक्रम पर खुली और रचनात्मक चर्चा द्वारा विचारों के आदान-प्रदान हेतु एक आदर्श वातावरण प्रदान कर रहा है। पीपीएसए द्वारा प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पब्लिक स्कूलों और सरकारी स्कूलों के मध्य सहयोग बढ़ाने में भी सरकार को समय समय पर अपना सहयोग प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच से देश को 34 वर्षों बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास की दिशा में ध्यान दिया जा रहा है। पीपीएसए द्वारा शिक्षार्थियों के जीवन को उन्नति के प्रकाश से आलोकित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को नई शिक्षा नीति को सही प्रकार से लागू करने हेतु समय समय पर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए जाते रहे हैं।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का राज्य में सही तरीके से क्रियान्वयन हो इस उद्देश्य से दो दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विशेषज्ञों द्वारा प्रधानाचार्यों एवं अध्यापकों को नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है। उत्तराखण्ड में बाल वाटिकाओं से राष्ट्रीय शिक्षा नीति का शुभारंभ किया गया। उच्च शिक्षा में भी राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शैक्षिक गतिविधियों के लिए प्रदेश के सभी अध्यापकों को डायट के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। अभी तक 27 हजार से अधिक अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया चुका है। इस अवसर पर पीपीएसए के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कश्यप, दून इंटरनेशनल स्कूल के चैयरमैन डी.एस. मान, लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि) जयवीर सिंह नेगी, मेजर जनरल(से.नि) शम्मी सभरवाल, रीजनल ऑफिसर सीबीएसई डॉ. रणवीर सिंह, राकेश ओबेराय एवं विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य एवं अध्यापक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने उद्यान विभाग संचालित जायका परियोजना का शुभारम्भ किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसम्बर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल तरीके से मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश में उद्यान विभाग द्वारा संचालित की जा रही जायका परियोजना का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत 526 करोड़ रूपये की वाह्य सहायतित जायका परियोजना का शुभारम्भ किया गया।कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में विभिन्न वाह्य सहायतित एजेंसियां विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को स्वीकृत करने हेतु विशेष रूचि दिखा रही हैं, जो हमारे राज्य के लिए अत्यन्त गर्व की बात है। उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड के अन्तर्गत आज रू0 526 करोड़ की वाह्य सहायतित जायका परियोजना का शुभारम्भ किया जा रहा है, यह उत्तराखण्ड में औद्यानिकी के क्षेत्र में पहली वाह्य सहायतित परियोजना है, जिसका क्रियान्वयन प्रदेश के 04 पर्वतीय जनपदों टिहरी, उत्तरकाशी, नैनीताल एवं पिथौरागढ़ में किसान उत्पादक संगठनों के सहयोग से किया जाना है। इसके अन्तर्गत औद्यानिकी के समग्र विकास हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है, जिसमें कीवी को मुख्य रूप से गैम चैंजिंग क्रॉप के रूप में सम्मिलित करने के साथ-साथ सेब की अति सघन बागवानी को भी प्रमुखता से सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना में सप्लाई चेन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए Farm to Fork तक की विभिन्न

गतिविधियों के क्रियान्वयन से प्रधानमंत्री के कृषकों की आय दोगुना करने के संकल्प को सार्थक करने में अहम भूमिका प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियाँ एवं कृषि जलवायु विभिन्न कृषि एवं औद्यानिक फसलों के उत्पादन हेतु बहुत अनुकूल है, जिसको ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार द्वारा अपने पिछले कार्यकाल में भी बागवानी के विकास हेतु महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं- कृषकों को आय के अतिरिक्त साधन प्रदान करने एवं बेरोगजार नवयुवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करते हुए मौनपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नैशनल बी बोर्ड, भारत सरकार द्वारा संचालित नैशनल बीकीपिंग एंड हनी मिशन के माध्यम से रू0 468.50 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत कराये गये है। जिसमें ज्योलीकोट, नैनीताल में शहद के संग्रहण, प्रसंस्करण इकाई, शहद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु टेस्टिंग लैबोरेट्री एवं उत्तराखण्ड के शहद को देश और विदेशों तक पहुँचाने हेतु इसकी ब्राण्डिंग व विपणन हेतु ईकाइयों की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्थापित मेगा फूड पार्क में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से उद्यमियों को भूमि की स्टाम्प शुल्क, बैंक के ब्याज, मंडी से फल एवं सब्जियों की खरीद पर मंडी शुल्क, बिजली की बिल एवं एस०जी०एस०टी० आदि में विशेष छूट प्रदान की जा रही है। पूर्व में मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अन्तर्गत सेब की फसल में ओलावृष्टि से होने वाली क्षति रिस्क फैक्टर में सम्मिलित नहीं था जिसे रिस्क फैक्टर में के रूप में सरकार द्वारा शामिल किया गया, ताकि ओलावृष्टि से किसानों के नुकसान की भरपाई की जा सके। वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण कृषि एवं बागवानी में विभिन्न

प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं जिसमें कमी लाने के उद्देश्य से नाबार्ड की योजनान्तर्गत रू. 10 करोड़ की लागत के क्लाईमेट स्मार्ट माईक्रो इरिगेशन सिस्टम का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। किसानों को रोग रहित उच्च गुणवत्ता युक्त सेब के पौधे की उपलब्धता हेतु जनपद उत्तरकाशी के भटवाड़ी में टिश्यू कल्चर लैब की स्थापना की गयी है। हमारे प्रदेश को भारत सरकार द्वारा बेस्ट हॉर्टीकल्चर स्टेट इन इण्डिया से भी सम्मानित किया गया जो कि गर्व का विषय है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा पूरा प्रयास है कि सन् 2025 तक उत्तराखण्ड हॉर्टिकल्चर के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान में होगा। आगामी 25 दिसम्बर को रूफ गार्डनिंग के क्षेत्र में एक अहम योजना का शुभारम्भ करने जा रहे हैं जिसमें पायलट प्रोजेक्ट के तहत देहरादून जनपद को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हम कोई भी नवीन योजना किसानों से पूरे विचार विमर्श के बाद ही लायी जायेगी। हमने अधिकारियों को भी निर्देश दिये है कि ज्यादा से ज्यादा फिल्ड में रह कर किसानों की समस्याओं का समाधान करने की पूर्ण कोशिश करें। कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने कहा कि हमारे राज्य में पलायन एक अहम समस्या है, हार्टिकल्चर के क्षेत्र में हो रहे विभिन्न विकास के कार्य निश्चित रूप से पलायन को रोकने में सक्षम होंगे।इस अवसर पर सचिव कृषि डॉ.बी.आर.सी. पुरूषोतम, निदेशक उद्यान डा. हरमिन्दर सिंह बवेजा, निदेशक कृषि गौरी शंकर, निदेशक रेशम ए.के.यादव, जाइका इंडिया रिप्रजेन्टेटिव श्री जून वातानाबे, प्रिंसीपल डेवलपमेंट सोशलिष्ट जाइका श्री अनुरोग सिन्हा, रिप्रजेन्टेटिव जाइका सूश्री मारिया काटो सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आये काश्तकार आदि उपस्थित थे।

वॉट्सऐप का नया एक्सीडेंटल डिलीट फीचर आपको शर्मिंदगी से बचा सकता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , मेरे लिए वॉट्सऐप पूर्ववत हटाएं: इस स्थिति की कल्पना करें- आपने गलती से गलत समूह या गलत व्यक्ति को संदेश भेज दिया है। संदेश को हटाने की हड़बड़ी में, आपने गलती से ₹सभी के लिए हटाएं₹ विकल्प के बजाय ₹मेरे लिए हटाएं₹ विकल्प दबा दिया। अब, आप अपने द्वारा भेजे गए शर्मनाक संदेश को न तो देख सकते हैं और न ही हटा सकते हैं, लेकिन यह आपके द्वारा भेजे गए चैट में अन्य लोगों को दिखाई देता है। ठीक इसी तरह की पेचीदा स्थिति से आपको बाहर निकालने के लिए व्हाट्सएप ने एक नया ₹एक्सीडेंटल डिलीट₹ फीचर जारी किया है।

नई सुविधा आपको उस समय से पाँच सेकंड की विंडो देती है जब आपने संदेश को हटाए जाने को पूर्ववत करने के लिए संदेश को हटा दिया था। आपके द्वारा किसी संदेश को हटाने के बाद, ₹मेरे लिए संदेश हटा दिया

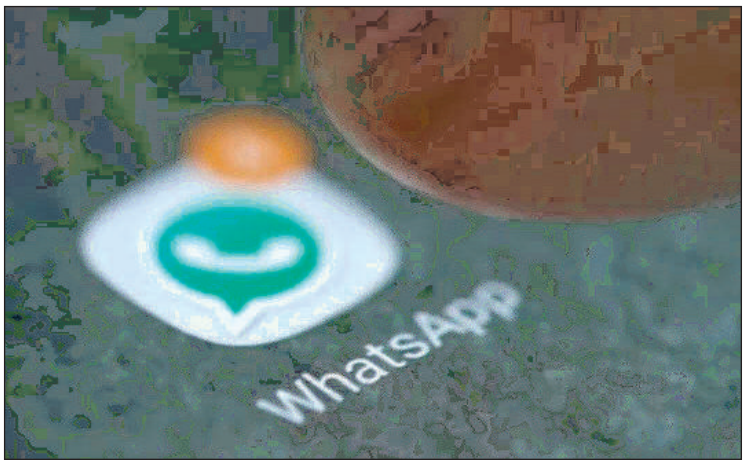

गया₹ संदेश के साथ एक छोटा डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा। संवाद बॉक्स में एक छोटा ₹पूर्ववत करें₹ बटन भी होगा। यदि आप बटन पर क्लिक करते हैं, तो आपके द्वारा अभी-अभी डिलीट किया गया संदेश फिर से दिखाई देगा।

व्हाट्सएप ने घोषणा की कि उसने iOS पर वीडियो कॉल के लिए पिक्चर-इन-पिक्चर सपोर्ट का परीक्षण शुरू कर दिया है। एप्पल डिवाइस इस सुविधा के साथ एंड्रॉइड डिवाइसों से बहुत पीछे हैं क्योंकि एंड्रॉइड काफी समय से इसका समर्थन कर रहा है। वर्तमान में, आईओएस के लिए पिक्चर-इन-पिक्चर सुविधा वर्तमान में केवल व्हाट्सएप बीटा उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है और एक व्यापक रिलीज केवल अगले वर्ष का पालन करेगी।

इस महीने की शुरुआत में, व्हाट्सएप पर के भारत प्रमुख विनय चोलेट्टी ने भूमिका में शामिल होने के चार महीने बाद ही फर्म छोड़ दी। सितंबर में मनेश महात्मे के अमेज़न में शामिल होने के बाद कंपनी छोड़ने के बाद चोलेट्टी ने भारत में व्हाट्सएप पे का प्रभार ले लिया था।

भारतीय यूजर्स को जल्द ही कई भाषाओं में देखने को मिल सकता है यूट्यूब वीडियो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत के बहुभाषी समाज को ध्यान में रखते हुए यूट्यूब ने अपने वीडियो को अधिक समावेशी बनाने के लिए कदम उठाने का फैसला किया है। वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म ने 'गूगल फॉर इंडिया' इवेंट में घोषणा की कि वह एक नई सुविधा का परीक्षण कर रहा है, जो उपयोगकर्ता को विभिन्न भाषाओं में ऑडियो ट्रैक बदलने की सुविधा देता है।

₹वीडियो स्वास्थ्य जानकारी साझा करने के लिए एक विशेष रूप से प्रभावी प्रारूप है जो न केवल एक पेशेवर दर्शकों के लिए बल्कि सभी के लिए सुलभ और सुपाच्य है। हम वास्तव में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सूचनाओं को लोकतांत्रित करने में मदद करना चाहते हैं। और, हम स्वास्थ्य सेवा में विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टेकक्रंच ने यूट्यूब इंडिया के निदेशक ईशान जॉन चटर्जी के हवाले से कहा, ₹टेकक्रंच ने यूट्यूब इंडिया के निदेशक ईशान जॉन चटर्जी के हवाले से कहा, ₹ऐसी प्रौद्योगिकियों में निवेश करना जो उन्हें बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचने के लिए कुशलतापूर्वक बहुभाषी सामग्री बनाने में सक्षम बनाती हैं।

वर्तमान में, यह सुविधा केवल मुट्ठी भर स्वास्थ्य संबंधी वीडियो के लिए उपलब्ध है, जिसमें अंग्रेजी, हिंदी, पंजाबी और मराठी में

भाषा विकल्प हैं।बहुभाषी ऑडियो वाले वीडियो में सेटिंग बटन के भीतर ₹ऑडियो ट्रैक₹ नाम का एक विकल्प होगा जिसमें क्लिप के लिए उपलब्ध भाषाओं की सूची शामिल होगी। हालांकि, टेकक्रंच के अनुसार, बहुभाषी ऑडियो वाले वीडियो को दर्शाने वाला कोई विज़ुअल मार्कर खोज परिणामों में दिखाई नहीं देगा।

इसके अलावा, Google ने यह भी घोषणा की कि वह कुछ रचनाकारों के साथ अपने आगामी डबिंग उत्पाद 'अलाउड' का परीक्षण शुरू करने की प्रक्रिया में है। उत्पाद, जो मूल रूप से एरिया 120 त्वरक द्वारा बनाया गया था, कई भाषाओं में मूल सामग्री को लिप्यंतरण, अनुवाद और डबिंग करने में रचनाकारों की सहायता करता है।कंपनी ने यह स्पष्ट किया कि यह टूल शुरुआत में केवल 'स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के एक छोटे समूह' के पास उपलब्ध होगा। हालाँकि, इस डबिंग उत्पाद के लिए काम करने वाली भाषाओं का कोई उल्लेख नहीं किया गया था।

अब आई जीभ चिढ़ाने वालों के लिए गुड न्यूज़ !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , दुनिया बहुत बड़ी है और इसमें अलग-अलग संस्कृति और समाज के लोग हैं. सबसे अपने रीति-रिवाज़ हैं और ज़िंदगी जीने का तरीका है. हो सकता है एक संस्कृति में जो चीज़ बहुत अच्छी मानी जाती हो, वही दूसरी में अपमानजनक मान ली जाए. उदाहरण के तौर पर हमारे देश में बड़े-बुजुर्गों से मिलने के लिए एक निश्चित दूरी से प्रणाम किया जाता है और या फिर उनके पांव छुए जाते हैं लेकिन फ्रांस और यूक्रेन में डबल और ट्रिपल किस से उनका स्वागत किया जाता है. आज हम आपको ऐसी ही कुछ अजीबोगरीब स्वागत प्रथाओं के बारे में बताएंगे. यही नहीं दुनिया में अनेकों ऐसे देश हैं जहाँ की अनूठी रस्में और लाइफ स्टाइल को जानकर आप हैरान हो जायेंगे , ऐसा ही एक रिवाज़ कुछ देशों में चर्चित है जहाँ शारीरिक नज़दीकी की गर्मजोशी और स्वागत का प्रतीक माना जाता है, लेकिन कुछ देशों में दूर से ही स्वागत करके मेहमानों के प्रति सम्मान का प्रदर्शन किया जाता है. आपको कुछ प्रथाएं तो अपने जैसी लगेंगी लेकिन कुछ बिल्कुल ही अलग और अनोखी हैं.

तिब्बत में जीभ दिखाकर स्वागत

आपने सही पढ़ा, भारत के पड़ोसी देशों में शुमार तिब्बत में लोग घर आए मेहमानों को देखकर अपनी जीभ बाहर निकालते हैं. भारत में इसे भले ही जीभ चिढ़ाना कहा जाता

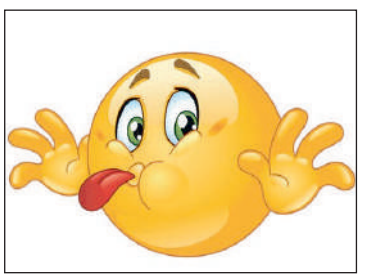

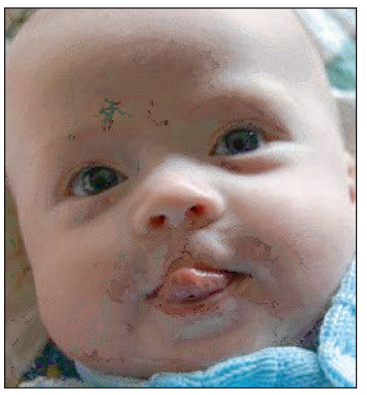

हो, लेकिन तिब्बत में ये सम्मान सूचक संकेत है. तिब्बत में ये कोई बुरा संस्कार नहीं बल्कि अभिवादन की परंपरा है. जब भी लोग एक-दूसरे से मिलते हैं तो वे उनका जीभ दिखाकर स्वागत करते हैं. बताते हैं 9वीं सदी से यहां ये परंपरा चली आ रही है. राजा लंगडरमा ने इस रिवाज़ को जन्म दिया था और तब से लोगों ने इसे अपना लिया.है न अजब देश की गजब परम्परा

महारानी के मरने के बाद बदल गयी ब्रिटेन की करेंसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , Bank of England ने King Charles III Bank Note के डिजाइन को रिवील कर दिया है. इन नोट के 2024 के मिड तक आने के आसार है. केंद्रीय बैंक के अनुसार किंग का फोटो सभी चार पॉलिमर बैंक नोटों (£5, £10, £20 और £50) के मौजूदा डिज़ाइनों पर दिखाई देगा, मौजूदा डिज़ाइनों में कोई अन्य परिवर्तन नहीं होगा." आइए बताते हैं कि आखिर बैंक की ओर से इन नोटों के बारे में क्या जानकारी दी है.

8 सितंबर को हुआ था महारानी का निधन :

राजा की फोटो बैंक नोट्स के सामने की ओर दिखाई देगी, साथ ही पारदर्शी सिक्योरिटी विंडो में कैमियो में भी दिखाई देगी. 74 वर्ष के चार्ल्स सितंबर में अपनी मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद राजा बने, जिनका 8 सितंबर को निधन हो गया. बैंक ने कहा कि शाही घराने के मार्गदर्शन के अनुसार, इस परिवर्तन के तहत पर्यावरणीय और वित्तीय प्रभाव को कम करने का प्रयास किया गया है. नए बैंक नोट केवल पुराने नोटों को बदलने और बैंक नोटों की मांग के अनुसार समग्र वृद्धि को पूरा करने के लिए प्रिंट किए जाएंगे.

नोट पर करीब 10 साल पुराना फोटो

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि नए नोटों में शाही परिवार के स्वामित्व वाली तस्वीर के आधार

पर चार्ल्स का एक उत्कीर्ण चित्र है और 2013 में उपलब्ध कराया गया था. डिजाइन को "हाल के महीनों में अंतिम रूप दिया गया" और राजा द्वारा अप्रूव्ड किया गया, यह नोट 2023 की पहली छमाही से बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस्ड किया जाएगा. मौजूदा पॉलीमर बैंकनोट – जो 2016 से धीरे-धीरे यूके में पेपर मनी की जगह ले रहे हैं – रानी के चित्र को ले जाना कानूनी निविदा रहेगा जिसका उपयोग जारी रखा जा सकता है.

2024 के मिड में प्रचलन में आएंगे

रिलीज से पहले बोलते हुए, गवर्नर एंड्रयू बेली ने कहा कि मुझे बहुत गर्व है कि बैंक हमारे नए बैंक नोटों का डिज़ाइन जारी कर रहा है, जिसमें किंग चार्ल्स III का चित्र होगा. यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि राजा हमारे बैंक नोटों पर प्रदर्शित होने वाला केवल दूसरा सम्राट है. 2024 में प्रचलन में आने के बाद लोग इन नए नोटों का उपयोग कर सकेंगे.

धामी कैबिनेट में हुए धड़ाधड़ फैसले हर विभाग का प्रस्ताव महत्वपूर्ण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , मुख्यमन्त्री पुष्कर सिंह धामी की कैबिनेट बैठक में कई बड़े विभागों के महत्वपूर्ण मामलों को मंजूरी मिली है , तो वहीँ लगभग हर विभाग और मंत्रालय के महत्वपूर्ण योजनाओं को आगे बढ़ाया गया है। आइये विस्तार से बताते हैं कैबिनेट में क्या फैसले हुए है।

विभाग - सचिवालय प्रशासन अधिक अनुभाग-03 उत्तराखण्ड शासन

विषय- उत्तराखण्ड सचिवालय सुरक्षा सेवा (संशोधन) नियमावली, 2022

1- उत्तराखण्ड सचिवालय सुरक्षा सेवा संशोधन नियमावली 2022 में रक्षक पद हेतु शैक्षिक अर्हता उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी की भांति हाईस्कूल से बढाकर इण्टरमीडिएट का प्राविधान किया गया है। 2- नियमावली में रक्षक पद की सीधी भर्ती और पदोन्नति का अनुपात 60:40 को परिवर्तित कर 90:10 का प्राविधान किया गया है। 3 - नियमावली में रक्षक के पद हेतु आयु सीमा 18-35 वर्ष को परिवर्तित कर 18-30 वर्ष से किये जाने का प्राविधान किया गया है।

विभाग - गृह (कारागार) विभाग, अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन

विषयः- उत्तराखण्ड (बन्दियों के दण्डादेश का निलम्बन) (संशोधन) नियमावली, 2022 प्रख्यापित किये जाने के सम्बन्ध में।उत्तराखण्ड राज्य अवस्थित न्यायालयों से दण्डित सिद्धदोष बन्दियों को उनके निकट परिजन की बीमारी, मृत्यु भाई बहन / पुत्र-पुत्री के विवाह इत्यादि में सम्मिलित होने के लिए पैरोल प्रदान किये जाने के उद्देश्य से प्रख्यापित उत्तराखण्ड (बन्दियों के दण्डादेश का निलम्बन) नियमावली, 2017 समय-समय पर यथासंशोधित में कतिपय संशोधन की आवश्यकता के दृष्टिगत उक्त नियमावली के नियम 3. 4 एवं 7 में संशोधन करते हुए उत्तराखण्ड (बन्दियों के दण्डादेश का निलम्बन) (संशोधन) नियमावली 2022 प्रख्यापित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

विभाग - औद्योगिक विकास विभाग

विषयः- जनपद उधम सिंह नगर में सिडकुल क्षेत्र के बाहर लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व वाली सड़कों पर सिडकुल द्वारा किये जा चुके सुधार कार्य के पश्चात मार्गों को (जहां है जैसा है) के आधार पर लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरित करने के सम्बन्ध में।जनपद उधम सिंह नगर में सिडकुल क्षेत्र के बाहर लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व वाले 05 मोटर मार्गों पर सिडकुल द्वारा किये जा चुके सुधार कार्य के पश्चात मार्गों को (जहां है जैसा है) के आधार पर लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरित करने एवं भविष्य में होने वाले कार्यों को एस०आई०टी० जांच आयोग की परिधि से बाहर रखने के सम्बन्ध में मंत्रिमण्डल द्वारा सहमति प्रदान की गयी है।

लोक निर्माण विभाग उत्तराखण्ड शासन।

विषयः- लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत तकनीकी संवर्ग के सृजित ढाचें को पुनर्गठित किये जाने के सम्बन्ध में।मुख्य अभियन्ता (वि0/यॉ०) का वर्तमान में कोई पद सृजित नहीं है, अतः कार्य की आवश्यकता के आधार पर मुख्य अभियन्ता (वि0/यॉ०) स्तर-2 का एक पद सृजित किया जाना प्रस्तावित है उक्त के अतिरिक्त पी0एम0जी0एस0वाई0 एन0एच0आई0 एण्डी०बी० विश्व बैंक एवं अन्य विभागों में तैनाती व इसके द्वारा विभागीय हित में कार्यानुभव / एक्सपोजर प्राप्त करने के उद्देश्य से अधिशासी अभियन्ता (सिविल) एवं सहायक अभियन्ता (सिविल) के स्तर पर क्रमशः 03 एवं 37 प्रतिनियुक्ति के पदों का सृजन करना भी प्रस्तावित है। कुल मिलाकर लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत सेवा संवर्ग के कार्मिक ढ्राचों/पदों की वर्तमान समय एवं भविष्य की आवश्यकताओं एवं मितव्ययता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व कुशल कार्मिक प्रबन्धन के दृष्टिगत वर्तमान कार्मिक ढाचें में सृजित कुल 2057 पर्दा (संवर्गीय 1733 निःसंवर्गीय 319 प्रतिनियुक्ति 05) में से 363 पद कम + + अर्थात कुल 1694 पदों (संवर्गीय 1654 निःसंवर्गीय 00 प्रतिनियुक्ति 40) के करते हुए ढांचे के निर्धारण के प्रस्ताव पर मा0 मंत्रिमण्डल द्वारा स्वीकृति / अनुमोदन प्रदान किया जाना प्रस्तावित है।

विभाग - उच्च शिक्षा अनुभाग-3, उतराखण्ड शासन।

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी रूड़की, हरिद्वार की प्रायोजक न्यास सेठ रोशन लाल जैन ट्रस्ट, हरिद्वार के पास कोर नाम से शिक्षण संस्थान संचालित किये जाने का इतिहास व अधिकार होने एवं कोर नाम की विरासत को आगे बढ़ाये जाने के दृष्टिगत प्रस्तावित यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी रूडकी (संशोधन) विधेयक, 2022 के माध्यम से यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी रूड़की के नाम में संशोधन कर कोर यूनिवर्सिटी किया जाना है। प्रस्तावित विधेयक को आगामी विधान सभा के समक्ष पुरःस्थापित किया जाने हेतु मंत्रिमण्डल का अनुमोदन निवेदित है।

विभाग - कौशल विकास एवं सेवायोजन।

विषय- उद्योग 4.0 के अनुरूप राज्य के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन विषयक।

राज्य की भौगोलिक परिस्थिति के दृष्टिगत राज्य के अधिकांश क्षेत्र के युवाओं हेतु गुणवत्तापूर्ण व्यवसायिक प्रशिक्षण उनके नजदीक उपलब्ध कराने हेतु स्वीकृत संस्थानों में से 20 अन्य ऐसे संस्थानों जहाँ प्रशिक्षणार्थी एवं प्रशिक्षक भी उपलब्ध हो सके तथा

इण्डस्ट्री भी रूचि ले सके का उन्नयन इण्डस्ट्री 4.0 के अनुरूप किये जाने पर विचार किया जाना है। प्रस्तावित 20 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुमानित रू० 10 करोड प्रति संस्थान के आधार पर कुल 20 आई०टी०आई० हेतु रू० 200 करोड का व्यय इस पूरी योजना में होना सम्भावित है अन्य राज्यों के अनुभवों के आधार पर उक्त 200 करोड़ में से राज्य सरकार द्वारा कुल 25 प्रतिशत के लगभग अर्थात रू50 करोड राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाना होगा वास्तविक परियोजना का आकार प्राप्त प्रस्तावों तथा प्रस्तावों के परीक्षण उपरान्त अनुमोदित धनराशि के अनुसार होगा प्रस्तावित योजना के पूर्ण होने की दशा में राज्य के 44 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन इस प्रकार हो सकेगा कि उनमें प्रशिक्षणरत प्रशिक्षणार्थी उत्तीण होने के उपरान्त उद्योगों की मांग के अनुसार तैयार हो सकेगें तथा उनकी रोजगारपरकता में निश्चित ही वृद्धि होगी।

विभाग का नाम- परिवहन विभाग

विषय- भारत सरकार द्वारा निर्गत 'Guidelines on the Scheme for Special Assistance to States for Capital Investment for 2022-23 के अन्तर्गत Part-VI'Urban Reforms' मद में राज्य को मिलने वाली आर्थिक सहायता Claim किए जाने हेतु 'Urban Reforms' के अन्तर्गत चिन्हित परिवहन विभाग से सम्बन्धित सुधारों के सम्बन्ध में।

परिवहन विभाग से सम्बन्धित विषयों के सन्दर्भ में निम्नवत्सुधार किया जाना प्रस्तावित है-

शहरी क्षेत्रों में संचालित होने वाली सिटी बसों को मोटरयान कर में शत प्रतिशत छूट प्रदान किया जाना अपेक्षित है इस प्रकार का निर्णय लिए जाने पर राज्य सरकार को प्रतिवर्ष लगभग रु. 27.00 लाख मोटरयान कर की हानि संभावित है एंव राज्य परिवहन निगम के द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों में सार्वजनिक बस परिवहन सुविधा दिए जाने हेतु मोटरयान कर की प्रचलित दरों में दी जा रही 50 प्रतिशत छूट को 75 प्रतिशत किया जाना अपेक्षित है। इस छूट के फलस्वरूप राज्य सरकार को लगभग रू. 2.27 करोड़ की वार्षिक हानि होगी। उक्त सुधारों को किए जाने का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को बेहत्तर बनाया जाना तथा आम जनता को सस्ती एवं न्यायोचित दर पर परिवहन की सुविधा सुलभ कराया जाना है।

विषय- उत्तराखण्ड परिवहन विभाग प्रवर्तन कर्मचारी वर्ग सेवा (संशोधन)नियमावली, 2022 के प्रख्यापन के सम्बन्ध में।

उत्तराखण्ड परिवहन विभाग प्रवर्त्तन कर्मचारी वर्ग सेवा (संशोधन) नियमावली 2021 प्रख्यापित है, प्रचलित नियमावली के अनुसार प्रवर्तन सिपाही के एक तिहाई पदों पर भर्ती चतुर्थ श्रेणी के कार्मिकों की पदोन्नति के माध्यम से की जाती है। वर्तमान में चतुर्थ श्रेणी (समूह घ) का पद मृत संवर्ग घोषित होने, विभागान्तर्गत चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत कार्मिकों के अभाव एवं विभागान्तर्गत प्रवर्तन सिपाही के रिक्त पदों की संख्या अधिक होने के दृष्टिगत प्रवर्तन सिपाही के रिक्त पदों को शत प्रतिशत सीधी भर्ती के माध्यम से भरे जाने हेतु प्रस्ताव किया गया है।

विभाग का नाम - वित्त अनुभाग-9

विषय- निःशक्त व्यक्तियों के पक्ष में रूपये 25 लाख तक मूल्य की स्थावर सम्पत्ति के अन्तरण पर प्रभार्थ स्टाम्प शुल्क में छूट के सम्बन्ध में।वर्तमान में निःशक्त व्यक्तियों को अचल सम्पत्ति, भूखण्ड, मकान आदि कय करने में रू10 लाख मूल्य की सीमा तक प्रभार्य स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत छूट प्रभावी है, जबकि महिलाओं हेतु उक्त छूट की सीमा रूपये 25 लाख निर्धारित की गयी है अतः महिलाओं को प्रदत्त स्टाम्प शुल्क में छूट के समान ही निःशक्त व्यक्तियों को भी रूपये 25 लाख मूल्य तक की सम्पत्ति पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क में 25% छूट अधिकतम 02 बार ही अनुमन्य किये जाने हेतु प्रस्ताव किया जा रहा है।

विभाग का नामः आवास विभाग (अनुभाग-2)

विषयः- ₹उत्तराखण्ड राज्य पार्किंग (स्थल चयन, निर्माण एवं संचालन इत्यादि) नियमावली, 2022 के प्रख्यापन के संबंध में।

राज्य में विभिन्न शहरों में जनसंख्या वृद्धि तथा व्यावसायिक एवं पर्यटन से संबंधित गतिविधियों में वृद्धि हाने के दृष्टिगत पार्किंग को सुव्यवस्थित, सुदृढ एवं नियोजित किये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड राज्य में पार्किंग निर्माण किये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है। देश का प्रमुख पर्यटन प्रदेश होन से, राज्य में वर्ष भर देश विदेश से यात्रियों का आवागमन होता है, इसके अतिरिक्त राज्य में वाहनों की संख्या में निरन्तर तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। राज्य में आने वाले पर्यटकों एवं स्थानीय निवासियों हेतु भी सावर्जनिक सुलभ पार्किंग की उपलब्धता न होने से मुख्य मार्गों पर वाहनों की पार्किंग की जाती है। ट्रैफिक जाम के कारण ईंधन की खपत अधिक होती है जिसके पर्यावरणीय प्रभाव के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकुल प्रभाव पड़ता है पर्यटन प्रदेश होने के कारण आने वाले पर्यटकों को भी सुलभ आवागमन की सेवा प्रदान किये जाने में कठिनाई होती है। स्थानीय स्तर पर पार्किंग की उपलब्धता, सुलभ आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे पर्यटकों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि होगी। इसके साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के अवसर भी उपलब्ध होंगे। अतः उत्तराखण्ड राज्य पार्किंग (स्थल चयन, निर्माण एवं संचालन इत्यादि) नियमावली, 2022₹ का प्रख्यापन किया जान है।

आवास अनुभाग-2

विषयः- रेलवे विभाग द्वारा Monetize की जा रही भूमि के भू-उपयोग में कोई परिवर्तन की आवश्यकता न होने संबंधी अधिसूचना निर्गत किये जाने के संबंध में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा सहमति प्रदान की गयी कि रेलवे / रेल भूमि विकास प्राधिकरण / भारतीय रेलवे स्टेशन विकास प्राधिकरण द्वारा रेल भूमि के विकास की योजना तैयार किए जाने के दौरान स्थानीय निकायों एवं प्राधिकरणों के साथ समन्वय स्थापित किया जायेगा, जिससे आस-पास के क्षेत्र के विकास से सामंजस्यपूर्ण स्थापित करते हुए कार्यवाही की जा सके। यह भी निर्णय लिया गया कि सम्पूर्ण भारत में रेलवे विभाग द्वारा वाणिज्यिक उपयोग हेतु रेल भूमि का विकास किए जाने हेतु भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन की आवश्यकता नहीं होगी। उक्त के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य की भाँति राज्य में रेलवे विभाग द्वारा Monetize की जा रही भूमि के भू-उपयोग में कोई परिवर्तन की आवश्यकता न होने का प्राविधान प्रस्तावित किया गया है।

विभाग : ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।

विषय :- हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचित नवीनतम जलविद्युत नीति, 2022 के अनुरूप उत्तराखण्ड राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं के विकास हेतु पूर्व में निर्गत जल विद्युत नीतियों (02-25 मे0वॉ0, 25-100 मे०वॉ0 एवं 100 मे0वॉ से अधिक) एवं तत्सम्बन्धी अन्य अधिसूचनाओं में आवश्यक प्राविधान / संशोधन किये जाने विषयक। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जल विद्युत परियोजनाओं को और अधिक व्यावहारिक एवं वित्तीय रूप से युक्तियुक्त बनाये जाने हेतु स्वर्ण जयन्ती ऊर्जा नीति 2021 अधिसूचित की गयी है, जिसमे जल विद्युत परियोजनाओं के क्षमता वृद्धि हेतु लिये जाने वाले प्रीमियम, परियोजना के अशधारिता में परिवर्तन 25 मे०वा० तक की जल विद्युत परियोजनाओं से राज्य डिस्कॉम के द्वारा अनिवार्य विद्युत कय परियोजना के निर्माण के समय उत्पन्न खनिज के परियोजना निर्माण हेतु उपयोग, परियोजना की परिचालन अवधि तथा One Time Amnesty Scheme हेतु नवीनतम प्राविधान किये गये है ।उत्तराखण्ड राज्य में भी जल विद्युत परियोजनाओं के विकास एवं निर्माण को बढ़ावा दिये जाने हेतु हिमांचल प्रदेश राज्य के द्वारा जल विद्युत नीतियों में किये गये नवीनतम प्राविधानों के अनुरूप राज्य की जल विद्युत नीतियों (यथा 02-25 मे०वॉ0, 25-100 मे०वॉ० एवं 100 मे0वॉ से अधिक) एवं तत्सम्बन्धी अन्य संगत अधिसूचनाओं में आवश्यक प्राविधान / संशोधन विषयक प्रस्ताव मा० मंत्रिमण्डल के समक्ष निर्णय हेतु निवेदित है।

विभाग :- ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

विषय :- लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना के अन्तर्गत रु 3358.75 करोड़ के विभिन्न कार्यों हेतु ई-निविदा में प्राप्त एल०एण्ड०टी० संस्था की एकल निविदा को खोले जाने की अनुमति विषयक ।लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण हेतु 204 मी ऊँचे कंकीट ग्रेविटी बांध, इनटेक, (3X100) मेगावॉट क्षमता के भूमिगत विद्युत गृह एंव सम्बन्धित अवशेष जानपदीय कार्यों रू 3358.75 करोड़ की अनुमानित लागत हेतु उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम द्वारा आमंत्रित ई-निविदा दिनांक 30.12.2021 के अन्तर्गत मैसर्स एल० एण्ड टी० लिमिटेड की प्राप्त एकल निविदा को खोलने हेतु सशर्त मा० मंत्रिमण्डल का आदेश / अनुमोदन / अनुमति निवेदित है ।उत्तराखण्ड औद्योगिक संबंध नियमावली 2022₹ को प्रख्यापित किये जाने के संबंध मेंविषय- केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समाहित कर उनके सरलीकरण एवं सम सामयिक आर्थिक सामाजिक परिवेश में प्रासंगिकता के उद्देश्य से सभी राज्य सरकारों को उक्त संहिताओं के विषय मे राज्य के नियम बनाने की अपेक्षा की गई है। इस क्रम में उत्तराखण्ड राज्य द्वारा औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के अंतर्गत उत्तराखण्ड औद्योगिक संबंध नियमावली 2022 प्रस्तावित की जा रही है इन नियमों में मुख्यतः व्यापार के सरलीकरण और उद्योगों को अनुकूल वातावरण देने के साथ साथ कर्मचारी हितों को भी समयबद्ध तरीके से दिए जाने के संबंध में प्रावधान किए गए हैं। औद्योगिक न्यायाधिकरण द्वारा कर्मचारी वादों के सुने जाने हेतु प्रक्रिया समयबद्ध की गई है। इससे श्रमिक वादों के निस्तारण में तेजी आएगी साथ ही प्रदेश में उद्योगों तथा कर्मचारियों के हित में संतुलित परिवेश स्थापित होगा ।राजस्व अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासनविषयः- उत्तराखण्ड, राजस्व परिषद्, अनुभाग अधिकारी, सहायक राजस्व आयुक्त (प्रशा०) एवं उप राजस्व आयुक्त (प्रशा०) सेवा नियमावली 2022 के प्रख्यापन के सम्बन्ध में टिप्पणी ।राजस्व परिषद् कार्यालय में राजस्व परिषद हेतु स्वीकृत ढांचे के सापेक्ष समीक्षा अधिकारी पद से उप राजस्व आयुक्त (प्रशा०) के पदों पर पदोन्नति न होने से महत्वपूर्ण प्रशासकीय कार्यों में विलम्ब तथा कार्यों के लम्बित रहने की स्थिति में राजस्व परिषद् के अवरूद्ध कार्यों के सफल / सुचारू कार्य संचालन के दृष्टिगत परिषद् कार्यालय हेतु उत्तराखण्ड राजस्व परिषद्, अनुभाग अधिकारी, सहायक राजस्व आयुक्त (प्रशा०) एवं उप राजस्व आयुक्त (प्रशा०) सेवा नियमावली 2022 के प्रख्यापन किये जाने के संबंध में प्रस्ताव मा० मंत्रिमण्डल के समक्ष निर्णय हेतु प्रस्तुत किया गया है ।विभाग - पर्यटन विभागविषयः- जनपद अल्मोड़ा के अन्तर्गत श्री जागेश्वर धाम एवं जनपद देहरादून के अन्तर्गत महासू देवता के मास्टर प्लान बनाये जाने हेतु एंजेसी का चयन किये जाने के संबंध में ।राज्य सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने हेतु राज्य में सुनियोजित विकास किया जा रहा है। इस क्रम में जनपद अल्मोड़ा के अन्तर्गत श्री जागेश्वर धाम एवं जनपद देहरादून के अन्तर्गत महासू देवता का विकास भी श्री केदारनाथ धाम के तर्ज पर प्रस्तावित है। अतः श्री जागेश्वर धाम एवं महासू देवता के विकास हेतु Architecture Service Design Consultancy से सम्बन्धित सेवायें आई0एन0आई0 डिजाईन, अहमदाबाद से प्राप्त किये जाने की अनुमति प्राप्त की गयी है। माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3विषयः- राजकीय एवं सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा-9 से कक्षा 12 तक अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं (सामान्य पिछडी जाति, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति) को आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक योजना से लाभान्वित किये जाने विषयक ।मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 15.11.2022 की समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देशों के क्रम में राजकीय एवं सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा-9 से कक्षा-12 तक अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राओं (सामान्य पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति) को आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक योजना से लाभान्वित किये जाने के प्रस्ताव पर मा० मंत्रिमण्डल का अनुमोदन प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है ।विधायी एवं संसदीय कार्य विभागविषयः- उत्तराखण्ड की पंचम विधान सभा, 2022 के तृतीय सत्र के सत्रावसान के प्रस्ताव पर मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा ₹विचलन से अनुमोदन₹ प्रदान किये जाने की सूचना मा० मंत्रिमण्डल के अवगतार्थ प्रस्तुत किया जाना ।उत्तराखण्ड की पंचम विधान सभा, 2022 के तृतीय सत्र दिनांक 29 नवम्बर 2022 के उपवेशन से प्रारम्भ होकर दिनांक 30 नवम्बर 2022 को अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया है।2- विषयगत सत्र हेतु विधायी विभाग के स्तर पर कोई विधायी कार्य अवशेष न होने के दृष्टिगत पंचम विधान सभा, 2022 के तृतीय सत्र का सत्रावसान तत्काल प्रभाव से कर दिये जाने हेतु प्रस्ताव मा० मंत्रिमण्डल के आदेशार्थ प्रस्तुत किये जाने का प्रस्ताव किया गया था. जिस पर मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा विचलन से अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। 3 - तद्क्रम में अग्रेत्तर कार्रवाई करने हेतु प्रभारी सचिव विधान सभा को सूचना प्रेषित कर दी गयी है। विभाग का नाम औद्योगिक विकास विभाग(अनुभाग-2) विषय- उत्तराखण्ड लॉजिस्टिक्स नीति- 2022 के प्रख्यापन के सम्बन्ध में।

क्यों बोलते हैं OK और कहां से आया OK शब्द ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम सभी अपनी बातचीत में रोज ना जाने कितनी बार ओके (OK) शब्द का इस्तेमाल करते हैं. ये ऐसा शब्द भी है जो हर भाषा में फिट हो चुका है. अंग्रेजी में अगर ये हेलो के बाद सबसे ज्यादा प्रयोग में आना वाला शब्द है तो हिंदी में इसका प्रयोग लोग बोलचाल में सबसे ज्यादा करते हैं. क्या आपको मालूम है कि ओके शब्द कहां से आया.आमतौर पर हर शब्द और फ्रेज की अपनी कहानी होती है. इसे कैसे प्रयोग में लाया गया. कैसे शुरुआत हुई, इसकी भी कहानी होती है. ओके शब्द की पृष्ठभूमि खंगालिए तो विचित्र कहानियां सुनने को मिलती हैं. कुछ लोगों का मानना है कि ये अंग्रेजी नहीं बल्कि स्पेनिश से आया शब्द है. लेकिन असल में ये अमेरिकी अंग्रेजी शब्द है.

अब हर भाषा में इस्तेमाल होता है ये शब्द

वैसे दिलचस्प बात ये भी है कि अब शायद दुनिया की हर भाषा में ओके का इस्तेमाल होने लगा है. बस उसके उच्चारण का तरीका कुछ अलग हो सकता है. अगर ओकी तो कहीं ओकेज, कहीं ओकेई के तौर पर इसे बोला जाता है लेकिन किसी भी भाषा में जब इसे सुनेंगे तो पता लग जाएगा कि बोला तो ओके ही जा रहा है.

क्या ये यांकी शब्द है

आज कल ओके को हर कोई छोटा-बड़ा बिना हिचक बड़ी सहजता से प्रयोग में लाता है, हालांकि कुछ दशक पहले ये स्थिति नहीं थी. हालांकि एकेडमिक लोग इस शब्द के प्रयोग को बाजारी मानते हैं. ये माना जाता है कि ये यांकी (YANKEE) शब्द है, जो ज्यादा गंभीरता जाहिर नहीं करता।

क्या है इसके शुरुआत की कहानी

इस शब्द की शुरुआत के बारे में आम ख़्याल ये है कि अमेरिकी राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन ने All Correct के स्थान पर उसके संक्षिप्त रूप oll correct के ग़लत हिज्जे अथवा ओके का चलन किया. हालांकि भारत और पाकिस्तान में माना जाता है कि ओके का चलन जार्ज वाशिंगटन या अब्राहम लिंकन की देन है. हालांकि कुछ लोग किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इस शब्द की शुरुआत की बात को गलत मानते हैं.

इससे ज़रा अच्छी और विश्वसनीय कहानी राष्ट्रपति पद के एक उम्मीदवार के बारे में है जिसका चुनाव अभियान सन 1800 ई. के क़रीब शुरू हुआ था. उम्मीदवार का पुश्तैनी गांव न्यूयॉर्क राज्य में था और उसका नाम था Old Kinderhook. इसलिए उसके समर्थकों ने उसी नाम के शुरू के अक्षरों को लेकर एक OK ग्रुप बना लिया. इस शब्द को खूब प्रचार दिया.

एक कहानी ये भी

अमेरिकी रेलवे के शुरू के समय में एक पोस्टल क्लर्क की कहानी ओके से जुड़ी मिलती है, जिसका नाम Obaidiah Kelly था. हर पार्सल पर निशानी के लिए वह अपने नाम के प्रारंभ के अक्षर OK दर्ज कर देता था, जिसे लोग ये समझते कि ओके का मतलब सबकुछ ठीक.

ओके रेड इंडियन भाषा का शब्द तो नहीं

वैसे ये भी कहा जाता है कि ये शब्द किसी रेड इंडियन भाषा का शब्द है. इसकी भी कहानी है. अमेरिका में रेड इंडियन भाषा के बहुत से शब्द प्रयोग किए जाते हैं. ख़ुद अमेरिकी राज्यों में आधे राज्यों का नाम रेड इंडियन है. मसलन – ओकलाहामा, डकोटा, उडाहो, विस्किनसन, उहायो, टेनेसी—यह सब रेड इंडियन नाम हैं.

ओके मतलब हां ठीक है

कहा जाता है कि रेड इंडियन क़बीले चटकाव का सरदार एक दिन क़बीले के प्रतिनिधियों की बात सुन रहा था. हर बात पर 'ओके, ओके' कहता जाता था जिस का अर्थ था 'हां ठीक है'. किसी अमेरिकी पर्यटक ने इस घटना को देख लिया. फिर अपने साथियों में इस शब्द को प्रचलित कर दिया.

मालामाल होना है तो क्रिसमस पर मोजे लटकाइए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , अगर आप दौलत पाना चाहते हैं तो घर के मोज़े आपकी मुराद पूरी कर सकते हैं। जी हाँ ये एक ऐसी मान्यता है जो दुनियाभर में मशहूर है। लेकिन ऐसा क्यों है ये बहुत कम लोग ही जानते होंगे। क्रिसमस डे के दिन मौज भी लटकाए जाते हैं. आखिर मोजे क्यों लटकाए जाते हैं इसके बारे में पता होना जरूरी है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि क्रिसमस ट्री के दिन मोजे क्यों लटकाए जाते हैं... दिसंबर का महीना चल रहा है और 25 दिसंबर को पूरी दुनिया में क्रिसमस मनाया जाता है तो बाजारों में भी इसे लेकर रौनक दिखने लगी है। बाजारों में तरह-तरह की लाइट, गिफ्ट, घर पर सजाने के लिए क्रिसमस ट्री सभी दिखने लगे हैं।

हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस डे के रूप में मनाया जाता है. इस दिन पर मोजे लटकाए जाते हैं. लेकिन इसके पीछे की वजह के बारे में पता होना जरूरी है... आप में से भी बहुत से लोग क्रिसमस के दिनों में अपने घर पर लगाने के लिए आर्टिफिशियल ट्री लाते होंगे। इन पर लटकाने के लिए भी चीजें लेते होंगे। आपने

देखा होगा कि बाजारों में तरह-तरह के रंग-बिरंगे मोजे भी मिलते हैं जिन्हें लोग अपने घरों में लगाने के लिए इस्तेमाल करते हैं लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर क्यों क्रिसमस के मौके पर लोग अपने मोजे भी लटकाते हैं।

क्रिसमस डे पर मोजे लटकाने के पीछे एक दिलचस्प कहानी है. यह कहानी एक गरीब इंसान की है, जिसकी 3 बेटियां थीं. वह अपनी तीनों बेटियों की अच्छे से शादी करवाना चाहता था लेकिन उसके पास अपनी बेटियों की शादी के लिए पैसे नहीं थे. . जब क्रिसमस का त्योहार आया तो उसने अपनी बेटियों की शादियों के लिए प्रभु यीशु से प्रार्थना की और पैसों के लिए मदद मांगी. इसके बाद वह अपने घर में क्रिसमस ट्री को सजाकर अपने कमरे में तीनों बेटियों के साथ सोने चला गया. तब सैंट निकोलस में उस गरीब इंसान की सहायता के लिए सोने से भरी एक थैली उसके घर की चिमनी में डाली जो मोजे में गिर गई. अगले दिन जब उस गरीब आदमी को वह थैली मिली तो उसने उस थैली से अपनी बेटियों की शादी की. यही कारण है कि क्रिसमस पर लोग अपने घरों में मोजे लटकाते हैं ...

एसएसपी अजय सिंह की टीम को बड़ी कामयाबी, 1 करोड़ 30 लाख की डकैती का इनामी गिरफ्तार

हरिद्वार में घटना करने वाला हर अपराधी हमारे रडार पर : एसएसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 21 दिसंबर , बीते दिनों एक शिकायतकर्ता मनेश कुमार ने लिखित तहरीर हरिद्वार पुलिस को दी थी। जिसमें अज्ञात अभियुक्त गणो द्वारा पीड़ित के ड्राईबर को बन्धक बनाकर ट्रक में लदे माल कीमत (1 करोड़ 30 लाख) को लूट कर ले जाने के संबंध में थाना बहादराबाद पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। 28 अक्टूबर को अभि0गण सुनील उर्फ सागर उर्फ सेठी उर्फ रवि और शैलेन्द्र चौधरी को पकड़कर माननीय न्यायालय भेजा गया जिनके द्वारा पूछताछ मे अपने सह अभि0 गण 1-सोनू 2-देवेन्द्र 3-रणधीर का नाम सामने आया।इस डकैती में मे धारा 395.412.34 भादवि की बढोत्तरी की गयी मुकदमा मे अभियुक्त रणधीर पुत्र डालचन्द निवासी ग्राम पुट्ठा थाना टीपी नगर जिला मेरठ उ0प्र0 के विरुद्व माननीय से एनबीडब्लू,82 सीआरपीसी 83 सीआरपीसी की कार्यवाही की गयी। अभियुक्त के मकान व संभावित स्थानों पर बार-बार दबिश देने पर भी अभियुक्त रणधीर उपरोक्त न मिलने एवं लगातार

फरार चल रहे उक्त अभियुक्त पर 25,000 का ईनाम घोषित किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार जनपद हरिद्वार के इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किए जाने के कड़े दिशा निर्देशों के तहत जनपद पुलिस लगातार ईनामी अभियुक्तों कुंड़ली खंगालते हुए धरपकड़ की कार्यवाही कर रही है जिस क्रम में थाना बहादराबाद पुलिस द्वारा इस फरार ईनामी अभियुक्त को टोलप्लाजा बहादराबाद से पकडा गया। ये हरिद्वार पुलिस और एसएसपी अजय सिंह के लिए बड़ी कामयाबी और अपराधियों के लिए बड़ा सबक माना जा रहा है।

आस्ट्रेलिया जायेंगे मंत्री सौरभ बहुगुणा ! भेड़ में ऊन की गुणवत्ता सुधार है मकसद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेगन जियानिनी, के साथ बैठक करते हुए उत्तराखंड सरकार के युवा मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कई अहम बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड को सशक्त बनाते हुए राज्य के आर्थिक विकास और स्वरोजगार को बढ़ाने की योजनाएं बनाने के निर्देश दिए हैं।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, और मेगन जियानिनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन, न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया .के साथ डा० अविनाश आनन्द, अपर निदेशक / मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड, देहरादून, उत्तराखण्ड और मैथ्यू कोडिंगटन, निदेशक, स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन, न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया ने बेहद महत्वपूर्ण बैठक की है। उत्तराखण्ड के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उत्तराखण्ड राज्य के भेड़ में ऊन की गुणवत्ता सुधार के सम्बन्ध में मेगन जियानिनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन (Stud Merino Breeders Association) न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया के साथ इस बेहद महत्वपूर्ण बैठक में ख़ास एजेंडा क्या था आपको वो बता देते हैं -

1. बैठक से पहले कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दिसम्बर 2019 में आस्ट्रेलिया से आयातित मैरीनों भेड़ों की सफलता पर आस्ट्रेलिया सरकार व स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन का आभार व्यक्त किया और उत्तराखण्ड की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया ।

2. पूर्व में आयातित मैरीनों भेड़ों की सफलता के दृष्टिगत मा0 मंत्री जी द्वारा आगामी 5 से 7 वर्षों हेतु उत्तराखण्ड राज्य सरकार व आस्ट्रेलिया सरकार के मध्य संयुक्त उधम (Joint Venture) करने की प्रस्ताव रखा जिसमें न्यू साउथ वेल्स के प्रगतिशील भेड़ पालक उत्तराखण्ड राज्य में रहकर राज्य के भेड़ पालको को आधुनिक भेड़ पालन की उन्नत तकनीकी से अवगत कराये ।

3. मंत्री बहुगुणा ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य को भेड़ पालन में एक हब की तरह स्थापित किया जाना प्रस्तावित है तथा राज्य को एक भेड़ उद्योग की तरह से स्थापित करते हुये किसानों की आजीविका में वृद्धि तथा राज्य में उद्यम व नौकरियां का सृजन किया जाना है।

4. कैबिनेट मंत्री ने उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड, देहरादून, उत्तराखण्ड को स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन, न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया का सदस्य बनाये जाने का प्रस्ताव रखा गया जिससे आगामी वर्षों में दोनो संस्थाओं के मध्य अनुबंध करते हुये Technology Transfer तथा भेड़ पालको के प्रशिक्षण आदि का कार्य किया जा सकता है। सौरभ बहुगुणा, मंत्री, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन I उत्तराखण्ड सरकार का अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई।

5. मंत्री बहुगुणा ने मेगन जियानिनी को अध्ययन भ्रमण के उपरान्त आगामी 5 वर्षों का योजना से अवगत कराने हेतु अनुरोध किया ।

6 . बैठक में स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन के उन्नत भेड़ पालको के माध्यम से उत्तराखण्ड राज्य के प्रगतिशील भेट पालको के प्रशिक्षण व कौशल विकास करने पर भी चर्चा की गयी।

7. निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टड मैरीनों ब्रीडर्स एसोसिएशन, न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया द्वारा उक्त प्रस्ताव पर विचार करने के उपरान्त समयबद्ध रूप में कार्यक्रम को सफल बनाने का आश्वासन दिया गया।

सर्दियों में केसर खाने के हैं शानदार फायदे, सेहत भी जवानी भी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , केसर एक ऐसा आयुर्वेदिक मसाला है जिसके सेवन से हेल्थ को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर केसर को सर्दी के मौसम में कुछ खास तरीके से लेने से बढ़ते उम्र का असर कम होता दिखता है। आइए बताते हैं केसर से जुड़े फायदे।केसर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर एक शक्तिशाली मसाला है। इसे कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स (saffron benefits)से जोड़ा गया है। बेहतर मूड , कामेच्छ और यौन कार्य, वजन कम करने जैसी कई चीजों में यह फायदा पहुंचाता है। इतना ही नहीं यह एलर्जी पैदा नहीं करता है, जिसकी वजह से यह सेफ मसाला कहा जाता है और इसे आहार में आसानी से शामिल कर सकते हैं। हालांकि केसर काफी महंगा होता है इसलिए बहुत से लोग इसे किचन में रखना पसंद नहीं करते। लेकिन जब आप इसके जवान होने से जुड़े फायदे जानेंगे तो खरीदने को मजबूर हो जाएंगे।सर्दी के मौसम में केसर के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-फंगल गुण होते हैं। इस लाल कलर के मसाले में औषधीय गुण बेहिसाब होता है। त्वचा, संचार और उत्सर्जन प्रणाली, नर्वस सिस्टम पर यह अच्छे से काम करता है। इतना ही नहीं केसर के सेवन से आप अपने उम्र से 10 साल छोटी लग सकती हैं। मैटरनल और चाइल्ड न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. रमिता कौर के इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के जरिए इस बात का जिक्र किया है। जिसमें उन्होंने केसर के सेवन से छह फायदे बताए हैं।

केसर से मिलने वाले छह फायदे

1.केसर में एंटी-बैक्टीरियल, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो स्किन को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। सन डैमेज की मरम्मत करते हैं। स्किन में कसावट लाते हैं। झाइयां, धब्बों और मुंहासे को कम करता है। केसर मिनरल्स से भरपूर होता है और इसमें शक्तिशाली कैरोटीनॉयड होते हैं जो कि क्रोसिन और क्रोसेटिन हैं।

2.इसके अलावा केसर का सेवन पीरियड्स के दर्द से भी मुक्ति दिलाता है। मूड स्विंग को रोकता है।3.भूख पर अंकुश लगाने और वेट लॉस में मदद करता है। वजन कम होने की वजह से आप यंग दिखाई दे सकती हैं। 4.चिंता दूर करने और मूड में सुधार करने के लिए अच्छा है5.हार्ट स्ट्रोक को रोकने के लिए रक्तचाप को कम करने में मदद करता है6.कोर्टिसोल के स्तर को कम करता है, नींद में सुधार करने में मदद करता है

मंत्री डा. प्रेम चंद के नेतृत्व में ऋषिकेशवासियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

ऋषिकेश 21 दिसंबर , आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनीवासियों ने क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. प्रेम चंद अग्रवाल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री डा. अग्रवाल ने आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनीवासियों को न उजाड़े जाने का निवेदन मुख्यमंत्री धामी से किया। इस पर मुख्यमंत्री धामी द्वारा सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

इस मौके पर आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनीवासियों ने मुख्यमंत्री सहित क्षेत्रीय विधायक का आभार व्यक्त किया।मुख्यमंत्री आवास में हुई मुलाकात में मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनीवासियों का पक्ष रखा। मंत्री डा. अग्रवाल ने बताया कि आईडीपीएल प्रबंधन की ओर से आवंटित आवासों में रह रहे अधिकांश सेवानिवृत कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि कन्वेंशन सेंटर योजना व अन्य कारणों से भवनों को खाली करने के नोटिस दिए जा रहे हैं। जिससे सभी के समक्ष आशियाना उजड़ने का संकट पैदा हो गया है। डा. अग्रवाल ने बताया कि आईडीपीएल फैक्ट्री बंद होने के बाद आईडीपीएल को आवंटित भूमि मूल विभाग (वन) को स्थानांतरित की गई है। जिस पर कन्वेंशन सेंटर जैसी गतिविधियों के बनने की योजना है। उन्होंने बताया कि आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनी में पिछले करीब 50 वर्षों से लोग रह रहे हैं।डा. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनीवासियों को न उजाड़े जाने का निवेदन किया। मंत्री डा. अग्रवाल की बातों पर गौर करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उन्हें सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया। बता दें कि पूर्व में अनेकों बार मंत्री डा. अग्रवाल ने इस संबंध में सीएम से वार्ता कर इस विषय को उठाया था। साथ ही 26 सितंबर को आईडीपीएल और कृष्णानगर कॉलोनीवासियों को मुख्यमंत्री धामी से भेंट करवाने का भी आश्वासन दिया था।इस मौके पर योगी योगेंद्र तिवारी, पुनीत बजाज, समशेर सिंह, प्रकाश रावत, अमित मलिक, विजय भारद्वाज, अजय श्रीधर, एचपी रतूड़ी, वामिक मंसूर, दर्शना श्रीधर, विमलेश शर्मा, निर्मला मान, रूपिंदर कौर, ओडी तोमर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जानिए औरतों का वजन और हाइट का तालमेल कितना होना चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 दिसंबर , देश और दुनिया में मोटापा के शिकार लोगों की संख्या में तेजी से इज़ाफ़ा हो रहा है। बढ़ता वजन लोगों को बेहद परेशान करता है। मोटापा कम करने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल, हेल्दी डाइट और नियमित एक्सरसाइज बेहद जरूरी है। पुरुषों की तुलना में महिलाएं बढ़ते वजन से ज्यादा परेशान रहती है। बढ़ता वजन कंट्रोल करने के लिए महिलाएं तरह-तरह की ट्रिक्स अपनाती हैं तब भी उनका वजन कंट्रोल नहीं रहता। महिलाओं को कमर, हिप्स और पेट की चर्बी घटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। साइंस के अनुसार, महिला और पुरुष में जीन और बायोलॉजिकल अंतर होने के कारण महिलाओं को वजन घटाने में परेशानी होती है।

कई बार ऐसा भी होता है कि महिलाएं वजन घटाने के लिए इतनी ज्यादा मशक्कत करती हैं कि उन्हें अंदाजा भी नहीं रहता कि उनका वजन कितनी कम हो चुका है। हैवी वर्कआउट और डाइट कंट्रोल करके कई बार महिलाएं अपना काफी वजन कम कर लेती हैं। महिलाओं को अंदाजा नहीं होता कि उनकी हाइट और उम्र के अनुसार उनका वजन कितना होना चाहिए।

हेल्थ लाइन की खबर के मुताबिक महिलाओं का वजन उनकी हाइट और उम्र के अनुसार होना चाहिए। कुछ साढ़े पांच फुट की महिलाएं चाहती हैं कि उनका वजन 40 किलों से ज्यादा नहीं रहें। आप जानते हैं कि वजन कम करने का ये पैमाना ठीक नहीं है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के चार्ट में उम्र के मुताबिक वजन कद के मुताबिक होना चाहिए। सरकार द्वारा जारी चार्ट की मदद से महिलाएं अपने कद के मुताबिक अपना वजन कंट्रोल कर सकती हैं।

ध्यान से पढ़िए वजन और लम्बाई का फार्मूला ---

4 फीट 10 इंच है सामान्य वजन 41 से 52 किलोग्राम होना चाहिएहाइट 5 फीट है तो सामान्य वजन 44 से 55.7 किलोग्राम होना चाहिएलंबाई 5 फीट 2 इंच है वजन 49 से 63 किलोग्राम के बीच होना चाहिएआपकी हाई 5 फीट 4 इंच हैं वजन 49 से 63 किलोग्राम के बीच होना चाहिए5 फीट 6 इंच हाईट में महिला का वजन 53 से 67 किलोग्राम तक होना चाहिएलंबाई 5 फीट 8 इंच है तो सामान्य वजन 56 से 71 किलोग्राम तक होना उचित हैलंबाई 5 फीट 10 इंच है तो वजन 59 से 75 किलोग्राम तक होना चाहिए।हाइट 6 फीट है तो आपका सामान्य वजन 63 से 80 किलो के बीच होना चाहिए

लड़कियों को गोरा शक्ति एप का महत्त्व समझा रहीं देहरादून पुलिस

थाना रायपुर पुलिस नें चलायी पाठशाला , महिलाओं को गौरा शक्ति ऐप की बताई अहमियत

देहरादून , 21 दिसंबर , देहरादून में कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एसजीआरआर (पीजी) कॉलेज पथरी बाग एवं सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कारगी चौक आदि स्कूलों में में गर्ल्स स्टूडेंट्स और टीचर्स को गोरा शक्ति एप के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सभी से गौरा शक्ति एप डाउनलोड कराया गया एवं इसकी विशेषताएं एवं लाभ के बारे में जानकारी दी गई ।

■ सरकारी/ गैर सरकारी संस्थानों, महाविद्यालय विद्यालयों में दी गौरा शक्ति एप, नशे के दुष्प्रभाव, नाबालिक द्वारा वाहन चलाने के दुष्परिणाम, साइबर क्राइम आदि की जानकारी,

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसम्बर , देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने जनपद देहरादून के सभी थाना प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्र में स्थित सभी सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों, महाविद्यालय विद्यालयों में कार्यरत महिलाओ, कर्मचारीयों व अध्ययनरत छात्र- छात्राओं को महिलाओ के लिये उपयोगी उत्तराखंड पुलिस एप में निहित गौरा शक्ति एप, नशे के दुष्प्रभाव, नाबालिक द्वारा वाहन चलाने के दुष्परिणाम, साइबर क्राइम आदि की जानकारी देने हेतु निर्देशित किया है । इसी आदेश के क्रम मे पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नेहरू कॉलोनी के मार्गदर्शन व पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा थाना क्षेत्र में स्थित सरकारी संस्थानों, महाविद्यालयों/ विद्यालयों मे कार्यरत सरकारी व गैर सरकारी कर्मचारियों महिलाओं विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र

छात्राओं को महिलाओ के लिये उपयोगी उत्तराखंड पुलिस ऐप में निहित गोरा शक्ति एप, नशे के दुष्प्रभाव, नाबालिक द्वारा वाहन चलाना व साइबर क्राइम की जानकारी देने हेतु पुलिस टीम गठित कर रवाना की गई। गठित पुलिस टीम मे नियुक्त चौकी इंचार्ज मयूरविहार उपनिरीक्षक si सतवीर व उपनिरीक्षक मोनिका मनराल द्वारा यंग फैशन वैल्यू कंपनी सहस्त्रधारा रोड, उपनिरीक्षक मालिनी महिला कॉन्स्टेबल शोभा द्वारा अभिनव चिल्ड्रन एकेडमी बालावाला, उप निरीक्षक राजीव धारीवाल चौकी प्रभारी मालदेवता द्वारा लिटिल एंजेल पब्लिक स्कूल केसर वाला मे महिलाओ, छात्र छात्राओं, संस्था में नियुक्त कर्मचारी को महिलाओं के लिये उपयोगी गोरा शक्ति एप की जानकारी, नशे के दुष्प्रभाव, नाबालिक द्वारा वाहन चलाना व साइबर क्राइम की के जानकरी दी गई तथा 250 महिलाओ को गौरा शक्ति मे रजिस्ट्रेशन कराया गया।

उत्तराखंड ने यूपी को 3 विकेट से हराया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुणे के कैप ग्राउंड-2 में उत्तराखंड ने यूपी को 3 विकेट से हराकर महिला अंडर-19 वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यूपी ने बल्लेबाजी करते हुए 35.3 ओवर में 85 रन बनाए। अपनी टीम के लिए कप्तान वर्णिका सिंह ने 36 गेंदों में सबसे ज्यादा 31 रन बनाए.वहीं भूमि सिंह (14) और तनु केसरवानी (10) ही दहाई के आंकड़े तक पहुंच सकीं.यूपी के लिए दूसरे विकेट के लिए भूमि सिंह और वर्णिका ने बेस्ट 23 रन की पार्टनरशिप की।उत्तराखंड के लिए पूजा राज ने 16 रन देकर 4 विकेट झटके। निशा मिश्रा ने 11 रन देकर 2 विकेट लिए और राघवी और साक्षी ने एक-एक विकेट लिया।जवाब में उत्तराखंड ने 35.2 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर जरूरी 86 रन बना लिए हैं। ए. शाह (16), राघवी (19), नीलम (16) और नंदिनी कश्यप (12) ने मुख्य स्कोरर रहे। शाह और राघवी ने दूसरे विकेट के लिए 77 गेंदों में 39 रन की बेहतरीन साझेदारी की। यूपी के लिए भूमि सिंह और तनु केसरवानी ने दो-दो विकेट लिए। संक्षिप्त स्कोरः यूपी-85 (वर्णिका 31, भूमि सिंह 14, तनु केसरवानी 10, पूजा रानी 4 रन 16, निशा मिश्रा 2 विकेट 11, साक्षी 1 विकेट 18, राघवी 1 विकेट 20)। उत्तराखंड- 7 रन 86 (ए शाह 16, राघवी 19, नीलम 16, नंदिनी कश्यप 12, भूमि सिंह 2 21 रन, तनु केसरवानी 2 रन 20, खुशी त्यागी 1 रन 28, वर्षा शर्मा 1 विकेट 9)।

संपादकीय

कांग्रेस में आलाकमान हावी

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में बदलाव के बावजूद हालात पहले जैसे ही दिखते हैं. बीते महीनों में कांग्रेस ने लीक से हटते हुए कुछ अलग करने की कोशिश की है. इसने गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को अध्यक्ष चुना है तथा स्थायी रूप से प्रतीक्षारत अध्यक्ष राहुल गांधी साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं. वे यात्रा कार्यक्रम पर टिके हुए हैं तथा उन्हें पार्टी समर्थकों से अभूतपूर्व समर्थन मिला है. देश-विदेश के आदतन सामाजिक कार्यकर्ता भी फोटो खिचवाने के लिए उनकी पीठ पर चढ़े हुए हैं. पार्टी छोड़ने के मामलों में कमी आयी है, लेकिन पार्टी को अब भी गांधी परिवार ही संचालित करता है, यह धारणा बनी हुई है. मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी प्रमुख हैं, पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सुखविंदर सिंह सुक्खू के चयन से स्पष्ट है कि परिवार ही अंतिम निर्णय लेता है. उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका की उपस्थिति से इस धारणा को बल मिला है. पार्टी के नीति के अनुसार एक व्यक्ति एक ही पद पर रह सकता है. पार्टी अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी की पहली पसंद अशोक गहलोत को जब एक पद चुनने को कहा गया, तो उन्होंने मुख्यमंत्री बने रहना चुना, लेकिन खरगे ने अभी तक राज्यसत्ता में नेता विपक्ष के पद से इस्तीफा नहीं दिया है. सोनिया गांधी के उत्तराधिकारी के रूप में वे अपने बारे में खुद फैसला नहीं कर सकते हैं. यह मामला कांग्रेस के लिए मुश्किल हो सकता है. अगले साल के शुरू में कर्नाटक में चुनाव होगा. पार्टी में ऐसी चर्चा है कि गांधी परिवार अपने पसंदीदा दलित चेहरे को हटाने को लेकर असमंजस में है. वह ऐसे निष्ठावान व्यक्ति की तलाश में है, जो भाजपा द्वारा दिये गये लालच में न फंसे. ऐतिहासिक रूप से राज्यसभा में पार्टी ने ऊंची जाति के व्यक्ति को शायद ही नेता बनाया है. जनता पार्टी के शासन काल में कमलापति त्रिपाठी आखिरी ऐसे व्यक्ति थे. उसके बाद यह पद दलित या अल्पसंख्यक नेताओं को मिला है. मनमोहन सिंह 1998 से 2004 तक इस पद पर रहे थे. साल 2014 में भाजपा से बड़ी हार के बाद लोकसभा में खरगे और राज्यसभा में गुलाम नबी आजाद ने विपक्ष का नेतृत्व किया. जब खरगे को राज्यसभा में नेता बनाया गया, तो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को बड़ा अचरज हुआ था. पार्टी के उपनेता आनंद शर्मा को वह पद नहीं दिया गया. कांग्रेस के पास दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, प्रमोद तिवारी और राजीव शुक्ला जैसे बड़े नेता हैं, पर वे या तो अभिजात्य हैं या ऊंची जातियों से आते हैं. परिवार खरगे की जगह मुकुल वासनिक या केसी वेणुगोपाल को नेता बना सकता है. स्पष्ट है कि भरोसेमंद सांसद के गुणों, जैसे प्रतिभा और योग्यता, का गांधी परिवार की कार्य-शैली में कोई स्थान नहीं है.

लुनार एस्ट्रो द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर। लोनार एस्ट्रो द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला आज प्रेम नगर से एक होटल में संपन्न हुई कार्यशाला में देश व विदेश से आए आयुर्वेदाचार्य एवं ज्योतिषाचार्य ने प्रतिभाग किया ।दो दिवसीय इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों तक ज्योतिष एवं आयुर्वेद के संबंध को विस्तार पूर्वक समझाना था कार्यक्रम में विभिन्न फैशन में लोगों ने अपने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए जिनमें प्रथम दिन के सेशंस में लूनर एस्ट्रो के डायरेक्टर दीपांशु गिरी जी एवं नजूमि जी एवं आयुर्वेदाचार्य डॉक्टर पंकज विरमानी ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए एवं वहां पर मौजूद लोगों के प्रश्न लिए।

■ **एस्ट्रोलॉजी एवं आयुर्वेद पर संवाद स्थापित करने हेतु देश विदेश से राजधानी में इकट्ठा हुए लोग**

इस मौके पर आयोजक एवं लोनार एस्ट्रो के डायरेक्टर दीपांशु गिरी ने कहा कि आयुर्वेद और ज्योतिष कभी भी अलग-अलग नहीं थे परंतु आज के बदलते युग में लोगों को यह समझाना जरूरी हो गया कि यह दोनों एक ही है जिस तरीके से पुराने जमाने में ज्योतिषाचार्य और आयुर्वेदाचार्य मिलकर काम करते थे आज भी उसी की जरूरत है जिस तरीके की लाइफस्टाइल लोगों की हो गई है बहुत जरूरी है कि वह अपने ग्रहों के अनुसार आयुर्वेद की मदद लेते हुए अपना खानपान स्थापित करें इसी को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लोनार एस्ट्रो जो कि एक इंस्टिट्यूट भी है जिसमें कुंडलियों की रिसर्च आदि का कार्य किया जाता है एवं ज्योतिषाचार्य बनाए जाते हैं के स्टूडेंट्स एवं लूना रेस्टो से जुड़े लोगों ने प्रतिभाग किया।

इस मौके पर आयुर्वेदाचार्य डॉ पंकज कुमार ब्रह्मानिया ने भी अपने व्याख्यान के दौरान लोगों को आयुर्वेद से जुड़ी जानकारियों से अवगत कराया एवं आजकल की लोगों की आधुनिक दिनचर्या को लेकर जागरूक किया। कार्यक्रम में मानी संकर, भुवनेश्वर प्रसाद, अंकित, पंकज, अंजू, लोकेश, विकाश, सूरज, मोहित, अवतार, चंद्रजीत आदि लोगों का मुख्य योगदान रहा।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया रूफ गार्डनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 दिसम्बर , कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी जी ने रूफ गार्डनिंग पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने शहरी क्षेत्रों में रूफ गार्डनिंग की अपार संभावनाएं जताई। इसी तर्ज पर शहरी क्षेत्रों में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार रूफ गार्डनिंग योजना को संचालित करने जा रही है। प्रदेश सरकार द्वार रूफ गार्डनिंग को बढ़ावा देने हेतु 25 दिसम्बर से 02 जनवरी तक रूफ गार्डनिंग सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शहरी बागवानों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया, जिसमें प्रशिक्षकों को रूफ गार्डनिंग, पोषक तत्व प्रबंधक, सब्जी उत्पादन की तकनीकी रूफ गार्डनिंग के लाभ, जैविक उत्पादन आदि की जानकारी दी गई। शहरी क्षेत्रों में जैविक सब्जी

उत्पादन को अपनी घरों की छतों एवं बागवानी आदि में बढावा देने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि मंत्री गणेश जोशी द्वारा कृषकों एवं प्रशिक्षकों को घरों पर उपलब्ध खाली जगह का सदुपयोग कर जैविक सब्जी उत्पादन करने हेतु प्रेरित किया गया एवं यह भी बताया गया कि रूफ गार्डनिंग स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी है। मंत्री जोशी ने कहा कि रूफ गार्डनिंग को देहरादून में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लिया गया है ओर निकट भविष्य काल में इसे प्रदेशभर में लागू किया जाएगा।

मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा यह कार्यक्रम प्रथम बार किया जा रहा है। जिसमे कृषक को एवं नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले कृषकों को भी सब्जी उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्य उद्यान अधिकारी, देहरादून मीनाक्षी जोशी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया कि रूफ गार्डनिंग में विभिन्न प्रकार के सब्जी उत्पादन के साथ-साथ वर्टिकल गार्डनिंग (उर्ध्व खेती) एवं हाइड्रोपोनिक्स (मिट्टी रहित खेती) का लाभ भी उठाया जा सकता है। इस अवसर उद्यान निदेशक एचएस बवेजा, संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ रतन कुमार, मुख्य उद्यान अधिकारी मीनाक्षी जोशी, महेन्द्र सिंह, गणेश बिष्ट, बीजेपी नेता पूनम नौटियाल, मनजीत रावत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

वन, पुलिस तथा खनन विभाग की बैठक में डीएम युगल किशोर ने दिए कड़े निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 21 दिसम्बर , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने वन, पुलिस तथा खनन विभाग के अधिकारियों के साथ जिला कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में किसी भी स्थान पर अवैध खनन न हो।

अवैध खनन पर पूर्णतः अंकुश हेतु सम्बन्धित विभाग आपसी तालमेल से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि अवैध खनन पर प्रभावी रोक हेतु संभावित उप खनिज क्षेत्रों को चिन्हित किया जाये और चिन्हित स्थानों पर लोट बनाकर, नियमानुसार खनन हेतु सभी औपचारिकताएं प्राथमिकता से पूरी की जायें ताकि किसी भी दशा में राजस्व की हानि न हो। जिलाधिकारी ने निर्देशित

करते हुए कहा कि अवैध खनन संभावित क्षेत्रान्तर्गत रामनगर-बाजपुर रैन्ज के मध्य कोसी नदी में वैध खनन हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी, अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, डीएफओ संदीप कुमार, प्रकाश आर्य, उप निदेशक खनन दिनेश कुमार आदि उपस्थित थे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

मंत्री महाराज को अपशब्द बोलने वाले निरंकुश डॉक्टर पर चला सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार का हंटर

■ मंत्री सतपाल महाराज के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोपी डॉक्टर निलंबित

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसम्बर , प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज का अपमान करने वाले बड़बोले निरंकुश चिकित्सक को आखिर झटका लग ही गया।

प्रदेश के सबसे कद्दावर वरिष्ठ मंत्री के लिए जिस तरह के व्यवहार का मामला सामने आया वो बेहद गंभीर और अनुशासनहीनता का था। इसमे जो सख्त कार्यवाही की ज़रूरत थी वही किया प्रदेश के अनुभवी और सम्वेदनशील आईएएस और सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने और एक नज़ीर पेश की है। आपको बता दें कि मंत्री महाराज का नाम लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग करने और सतपुली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नशे की हालत में मरीजों और तिमारदार से बदसलुखी के मामले चिकित्सा अधिकारी डा.शिवकुमार को तत्काल प्रभाव से स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने निलंबित कर दिया है।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के विधानसभा क्षेत्र स्थित सतपुली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डा.शिवकुमार द्वारा मंत्री सतपाल महाराज के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करने और मरीजों व उनके तिमारदारों से बदसलुखी के मामले का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने मामले की गंभीरता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर प्रदेश के उन अधिकारियों , विभागीय अफसरों को सन्देश दिया है कि प्रोटोकॉल और पद की गरिमा को तोड़ने वाले को कतई माफ नहीं किया जाएगा। यहां ये भी बता दें कि 19 दिसंबर को पौड़ी जनपद के सतपुली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी शिवकुमार का मामला उनके संज्ञान में आया था। जिसके बाद निलंबन की कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

खेलोत्सव में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट बना ओवरऑल चैम्पियन, लड़कियों का दिखा जलवा

100 मीटर फर्राटा दौड़ में अभिनव कुमार व रिया नौटियाल ने जीता खिताब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 दिसंबर , श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता खेलोत्सव-2022 का रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ मंगलवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विश्वविद्यालय की ओर से विजेताओं को मैडल, पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने सभी विजेताओं, छात्र-छात्राओं व खेलोत्सव-2022 के आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं। श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साइंसेज़ के खेल मैदान पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ उदय सिंह रावत, कुलपति श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय व विशिष्ट अतिथि डॉ आर.पी. सिंह, कुलसचिव श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से किया। छात्र मोनू रोहिला ने गणेश वन्दना पर मनमोहक प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि डॉ यू.एस. रावत ने खेलोत्सव-2022 के सभी विजेताओं, प्रतिभागियों व आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर प्रतियोगिता में एक टीम या खिलाडी विजेता होता है लेकिन अन्य खिलाड़ियों व टीमों को खेल भावना का परिचय देते हुए हमेशा आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलोत्सव-2022 में छात्र-छात्राओं ने जिस जोश, उत्साह, उमंग और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, इसके लिए उन्होंने सभी को दिल की गहराईयों और मन की उंचाईयों से धन्यवाद दिया। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ आर.पी सिंह, खेलोत्सव के समन्वयक डॉ मनोज गलहोत व उनकी पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। खेलोत्सव-2022 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की टीम को ओवरऑल चैम्पियन के खिताब से नवाजा गया। बालक वर्ग में ह्यूमैनिटीज के अभिवन कुमार के नाम सबसे अधिक मैडल रहे, बालिका वर्ग में मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स स्टडीज की रिया नौटियाल सर्वाधिक मैडल जीतने वाली छात्रा के रूप में नवाजी गई। 100 मीटर फर्राटा दौड में अभिनव कुमार व रिया नौटियाल अव्वल रहे। बालक व बालिका वर्ग दोनों की रिले दौड में मैनेजमेंट एण्ड कामर्स स्टडीज ने परचम लहराया। रस्साकशी में मैनेजमेंट एण्ड कामर्स स्टडीज की टीम अव्वल रही। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ दिव्या नेगी घई, दिशा नेगी, यश रतूड़ी, केशव ममगाई ने किया। पुरस्कार वितरण में अंशिका थापा व प्रियांश गौड़ ने सहयोग किया। इस अवसर पर श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय खेलोत्सव-2022 के समन्वयक डॉ मनोज गहलोत, डॉ. पुनीत ओहरी, डॉ सविता पी.पाटिल, डॉ अरुण कुमार, डॉ एम ए बेग, डॉ अनिल थपलियाल, वैभव शर्मा, एसपी जोशी, विजय नेगी, आदि खेल अधिकारियों ने सहयोग किया।

- 100 मीटर फर्राटा दौड़ में अभिनव कुमार व रिया नौटियाल ने जीता खिताब
- रिले रेस में बालक व बालिका वर्ग में मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स स्टडीज अव्वल
- रस्साकशी में मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स स्टडीज की टीम ने मारी बाजी

सिफारिश करने वाले नेताओं पर अविलम्ब कार्यवाही हो : काशी सिंह ऐरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 दिसंबर , उत्तराखंड विधानसभा से 2016 के बाद के भर्ती कर्मचारियों की बर्खास्त किये जाने पर कर्मचारियों का विधानसभा के सामने धरना दूसरे दिन भी जारी रहा, जिसे उत्तराखंड क्रांति दल समर्थन दिया गया।

इस अवसर पर दल के केंद्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी जी ने स्पष्ट कहाँ हैं कि विधानसभा मे 2016 के बाद भर्ती हुए कर्मचारियों कि बर्खास्ती सरकार व विधानसभा अध्यक्ष का विवेकहीन निर्णय हैं, ऐरी ने कहाँ कि जब राज्य निर्माण से लेकर 2021 तक एक ही पैटर्न से विधानसभा मे भर्ती हुई हैं फिर किस प्रकार से 2016 के बाद के कर्मचारियों को ही नौकरी से हटाया गया हैं जो कि नौजवानों के साथ धोखा हैं।

बर्खास्त कर्मचारी किसी न किसी के द्वारा अनुमोदित होकर नौकरी मे लगे हैं उन पर कार्यवाही क्यों नहीं की हैं। यह सबसे बड़ा सवाल हैं और दल सरकार से पूछना चाहता हैं कि सिफारिश करने वाले नेताओं पर भी अविलम्ब कार्यवाही कि जाय। इस अवसर पर दल के उपाध्यक्ष सुनील ध्यानी ने कहाँ कि भेदभाव पूर्ण के इस रवैये को बर्दास्त नहीं किया जायेगा, एक सामान नियम सभी के लिए बराबर होना चाहिए डी के कोटिया समिति कि जाँच मे अभी तक की सभी भर्तियां नियमानुसार न होना बताया गया, ऐसे स्तिथि मे सभी को यानि राज्य निर्माण से अभी तक की विधानसभा भर्तियों को साकार अविलब बर्खास्त करें। दल के मिडिया प्रभारी शिव प्रसाद सेमवाल ने कहाँ कि विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों पर एक तरफ़ा भेदभाव पूर्ण निर्णय विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी ने लिया हैं,जिसे कतई बर्दास्त नहीं किया जा सकता हैं उन्होंने कहाँ कि एक समान भर्ती प्रक्रिया पर एक समान कार्यवाही हो, न कि 2016 के बाद भर्तियों पर ही गाज गिरे। दल का स्पष्ट मानना हैं कि अभी तक कि सभी भर्तियों को रद्द करें या फिर 2016 के बाद भर्ती कर्मचारियों बहाल करें। सरकार को चेतावनी देते हुए कहाँ कि दल बर्खास्त कर्मचारियों के हितों के लिए आर पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

इस अवसर पर आंदोलन कर रहे बर्खास्त कर्मचारियों के आंदोलन के समर्थन मे दल के प्रवक्ता अनुपम खत्री,राजेंद्र पंत,राजेंद्र गुसाईं, सुलोचना ईष्टवाल, उत्तरा पंत बहुगुणा,उमा, सरोज मेहर आदि उपस्थित रहे, इस अवसर पर आंदोलनकारी बर्खास्त कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष को सिटी मजिस्ट्रेट कुशम चौहान को 5दिन की चेतावनी देते हुए ज्ञापन सौंपा जिसमें स्पष्ट कहाँ हैं कि उनकी नौकरी बहाली अविलम्ब किया जय तथा 5 दिन मे कर्मचारियों से वार्ता करके हल सकारात्मक हल निकाला जाय अन्यथा आर पार की लड़ाई के लिए सभी बर्खास्त कर्मचारी अपने परिवार के साथ आंदोलन के आयेगा जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होंगी।